

जी.एम.एन. कॉलेज में 56वीं वार्षिक एथलैटिक मीट का भव्य आयोजन

प्रतियोगिताओं में छात्र-छात्राओं ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

अम्बाला, 1 मार्च (बलराम) : गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज, अम्बाला छावनी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन बड़े उत्साह, अनुशासन और खेल भावना के साथ संपन्न हुआ। इस दौरान विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों के साथ-साथ शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। आयोजन ने महाविद्यालय की समग्र शिक्षा और शारीरिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दलित कुमार मित्तल, सदस्य गवर्निंग बोर्ड और उनकी पत्नी सुधा मित्तल ने ध्वजारोहण करके किया। अपने संबोधन में उन्होंने युवाओं के सर्वांगीण विकास, नेतृत्व क्षमता, चरित्र निर्माण और उत्तम स्वास्थ्य में खेलों के महत्व पर प्रकाश डाला। विद्यार्थियों ने निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा और खेल भावना बनाए रखने की शपथ ली।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि को अध्यक्ष डा. गुरदेव सिंह, प्रधान जी.एम.एन. कॉलेज गवर्निंग समिति, आलोक गुप्ता वित्तीय सचिव, प्राचार्य डा. रोहित दत्त और डी.एस. माथुर द्वारा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर और 1500 मीटर दौड़ के साथ लंबी कूद, तिहरी कूद और गोला फेंक जैसी विभिन्न ट्रैक और फील्ड स्पर्धाएं आयोजित की गईं। छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता की शोभा बढ़ाई।

यह रहे विजयी

मुख्य महाविद्यालय वर्ग में बीए तृतीय वर्ष की छात्रा रमनी को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, बालिका वर्ग तथा बीए तृतीय वर्ष के छात्र अर्पित को सर्वश्रेष्ठ



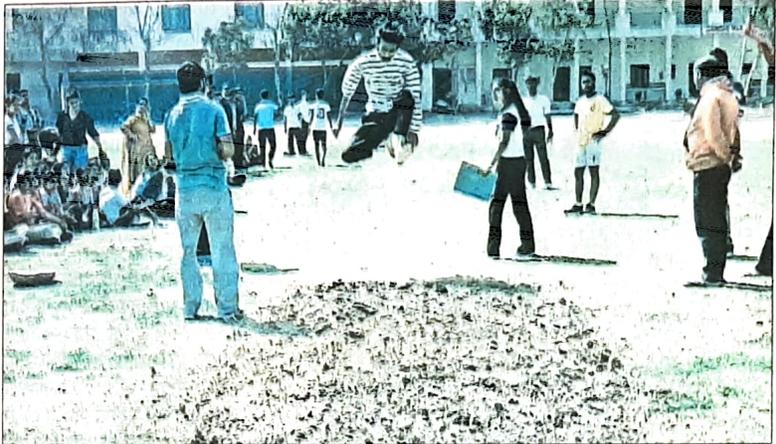
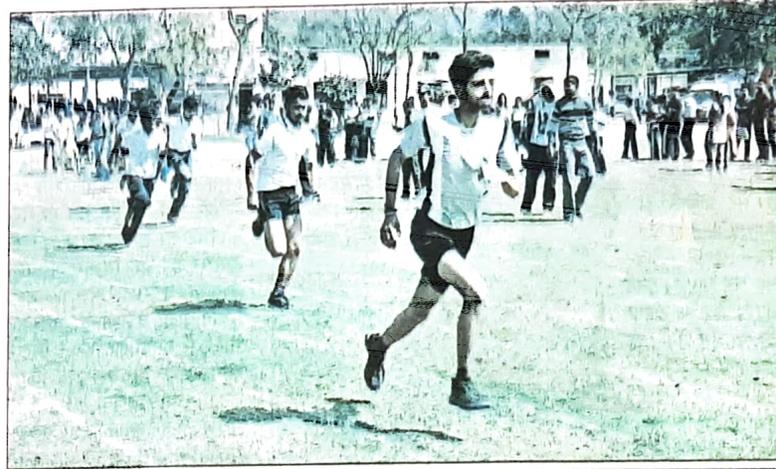
प्रतियोगिताओं का शुभारंभ करते अतिथिगण।

(चंदमोहन)



कार्यक्रम में पहुंचे गणमान्य व्यक्तियों को सम्मानित करते जी.एम.एन. कॉलेज गवर्निंग समिति के अध्यक्ष डा. गुरदेव सिंह, वित्तीय सचिव आलोक गुप्ता, प्राचार्य डा. रोहित दत्त और डी.एस. माथुर।

(चंदमोहन)



प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते विद्यार्थी।

(चंदमोहन)

खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि नेतृत्व, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का माध्यम : डी.एस. माथुर

डी.एस. माथुर ने महाविद्यालय और शारीरिक शिक्षा विभाग के सफल आयोजन की सराहना करते हुए खेलों के व्यावसायिक महत्व और करियर संभावनाओं पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात् विजेताओं को प्रमाण-पत्र और पदक प्रदान किए गए। माथुर ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि नेतृत्व, अनुशासन और आत्मविश्वास विकसित करने का माध्यम है। स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन निवास

करता है और खेलों से युवा मानसिक और शारीरिक रूप से सशक्त बनते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि टीम भावना, सहयोग और निष्पक्षता चरित्र निर्माण के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उनका उद्देश्य है कि हर विद्यार्थी खेलों के माध्यम से अपने व्यक्तित्व और नेतृत्व क्षमता को विकसित करे और जीवन में सफलता प्राप्त करे। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय की परंपराओं को बनाए

रखना और उन्हें आगे बढ़ाना प्रत्येक छात्र का कर्तव्य है।

अंत में डी.एस. माथुर ने कार्यक्रम को औपचारिक रूप से समाप्त घोषित किया। धन्यवाद ज्ञापन डा. के.के. पुनिया द्वारा प्रस्तुत किया गया। मंच संचालन का दायित्व डा. अमित, डा. मनजीत और डा. अनुपमा सिहाग ने सफलतापूर्वक निभाया। सम्पूर्ण आयोजन का सफल संचालन डा. बृजेश, अध्यक्ष शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा किया गया।

खिलाड़ी, बालक वर्ग घोषित किया गया। वहीं, गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज ऑफनर्स के विद्यार्थियों में नवदीप पुरुष वर्ग और मुस्कान,

महिला वर्ग को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के सम्मान से अलंकृत किया गया। शिक्षण स्टाफ के लिए 100 मीटर दौड़, म्यूजिकल चैयर और बैडमिंटन

प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिससे सहभागिता और टीम भावना को बढ़ावा मिला।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि

डी.एस. माथुर सचिव गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज ट्रस्ट एंड मैनेजमेंट सोसायटी व सुधा माथुर, डा. गुरदेव सिंह अध्यक्ष गवर्निंग

समिति कॉलेज, डा. सुभाष धर्माज सदस्य गवर्निंग बोर्ड एवं उपाध्यक्ष, गांधी मैमोरियल नेशनल कॉलेज ऑफनर्स उपस्थित रहे।